दैनिक भास्कर

डीबी स्टार ग्वालियर 09-12-2022

DBStar CITY@CAMPUS केंद्रीय विद्यालय संगठन के ट्रेनिंग सेंटर को दिया नया रूप

20 साल पहले केवीएस का जीट कैंपस था उजड़ा टीचर्स ने मिलकर तैयार किए यहां क्रिएटिव कॉर्नर

ग्वालियर | DBStar

केंद्रीय विद्यालय संगठन के आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जीट में टीचर्स ने मिलकर क्रिएटिव कॉर्नर तैयार किए हैं। इसमें टीचर्स ने जहां जीट के मुख्य द्वार को डेकोरेट किया है, वहीं अलग-अलग बॉल्स को भी पेंटिंग से सुसज्जित किया है। इसमें स्कूल स्टूडेंट्स ने भी टीचर्स को जीट कैंपस को डेकोरेट करने का आइडिया दिया, जिस पर टीचर्स ने टीम के रूप में काम करते हुए अलग-अलग पेड़-पौधों के नाम से पांच अलग-अलग गार्डन भी बनाए। 20 साल पहले यह कैंपस काफी उजड़ा हुआ था। जंगल होने की वजह से यहां काफी झाड़ियां हुआ करती थी। इन झाड़ियों को हटाकर जीट के सौंदर्यीकरण का काम खुद टीचर्स ने संभाला। अब यह कैंपस इतना साफ-सुथरा और खूबसूरत बन गया है कि लोग सुबह टहलने के लिए कैंपस में आते हैं और एक्सरसाइज करते हैं। इसके लिए यहां ओपन जिम के साथ रनिंग ट्रैक्स भी डिजाइन किए गए हैं।

कार्यालय गेट पर बनाई आकर्षक बॉल पेंटिंग

जीट के कार्यालय के गेट पर टीचर्स ने बॉल पेंटिंग तैयार की है। इसमें संभाग के अलग-अलग जिलों से आए टीचर्स ने योगदान दिया है। इसके लिए गैलरी भी तैयार की गई है। जिसमें मूर्तियों और पेंटिंग्स को प्रदर्शित किया गया है। इन पेंटिंग्स में टीचर्स ने हेरिटेज स्थलों और लोगों के दैनिक जीवन से जुड़े क्रियाकलापों को उकेरा है। इसमें उन्होंने ऑइल पेंटिंग्स का इस्तेमाल कर जनजीवन को प्रदर्शित किया है। इसके अलावा टीचर्स ने मुख्य कार्यालय के द्वार पर स्थापित मां सरस्वती की प्रतिमा के चारों ओर कलात्मक कॉलम्स बनाए हैं। साथ ही उनपर खूबसूरत काले और गोल्डन रंग में खूबसूरत चित्रकारी भी की है। बता दें कि यह टीचर्स पूरे संभागभर से अलग-अलग प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत जीट में आते हैं। इन टीचर्स के द्वारा ही जीट को कलात्मक ढंग से सजाने और संवारने का काम किया जा रहा है।

संवारेंगे ओपन थिएटर

जीट में ओपन ऑडिटोरियम काफी पुराना है, जिसमें शिक्षकों से संबंधित सेमीनार और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते थे, लेकिन पिछले कई सालों से यह ऑडिटोरियम बंद पड़ा हुआ है। ऑडिटोरियम की हालत खराब है, इसमें कई जगहों से प्लास्टर झड़ रहा है और कई जगह बारिश की वजह से सीलन आ चुकी है। इसलिए फिलहाल यहां कार्यक्रम होना संभव नहीं हैं। इसलिए इस ऑडिटोरियम में रेनोवेशन का काम अगले महीने से शुरू किया जाएगा। ताकि जीट में अलग-अलग स्थानों से प्रशिक्षण लेने आने वाले शिक्षकों के सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा सके। इसके अलावा यहां फाउंटेन में भी एलईडी लाइट्स लगाई जाएंगी, जिससे रात को यह काफी खूबसूरत दिखेगा। इसके लिए केंद्रीय विद्यालय संगठन केवीएस को प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है। प्रस्ताव के स्वीकृत होने के बाद रेनोवेशन शुरू किया जाएगा।

गार्डन में लगाई जा रही मूर्तियां

जीट में चार से पांच अलग-अलग गार्डन तैयार किए गए हैं। इनमें बीचों-बीच पेडस्टल पर ट्राइबल और देवी-देवताओं के फेस वाली मूर्तियां बनाई गई हैं। यह मूर्तियां भी शिक्षकों ने खुद ही तैयार की हैं।

शिक्षकों ने ही संवारा है पूरा कैंपस

- जीट के पूरे कैंपस को टीचर्स ने ही तैयार किया है। इसके लिए कई जगहों पर रेनोवेशन कार्य चल रहे हैं। टीचर्स ने यहां आर्ट गैलरी के साथ मेन गेट को भी बड़े ही क्रिएटिव ढंग से तैयार किया है।

डॉ. अनुराग यादव, उपायुक्त, जीट

फाइनेंशियल मैनेजमेंट एंड सर्विस मैटर पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

पत्रिका plus रिपोर्टर

ग्वालियर. केंद्रीय विद्यालय संगठन, आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में फाइनेंशियल मैनेजमेंट एंड सर्विस मैटर पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ उपायुक्त एवं निदेशक डॉ.अनुराग यादव ने किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय विद्यालय के कार्यालयीन कार्यों को प्रभावी बनाने के लिए यह प्रशिक्षण कारगर साबित होगा। इसमें केंद्र सरकार के नवीन दिशा-निर्देशों से अवगत कराया जाएगा। इस कार्यशाला में केंद्रीय विद्यालय संगठन के भोपाल, लखनऊ, जबलपुर, वाराणसी तथा आगरा के करीब 40 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस कार्यशाला में पर्चेस प्रोसीजर, इनकम टैक्स, मेडिकल अटेंडेंस रूल, पे.फिक्सेशन, पेंशन एवं ग्रेच्युटी आदि विषयों में आने वाली समस्याओं के निराकरण से अवगत कराया जाएगा। कार्यशाला की सह निदेशक उमा माहेश्वरी, सुरेंद्र कुमार नेगी एवं तेज प्रकाश यादव,संसाधक हैं।

सभी विषयों को रोचक बनाएं, जिससे छात्र रुचि के साथ पढ़ें

पत्रिका plus रिपोर्टर

ग्वालियर. केंद्रीय विद्यालय संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान ग्वालियर में तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ सोमवार को कार्यवाहक निदेशक टी उमा महेश्वरी ने किया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप आर्ट विषय के द्वारा सभी विषयों के शिक्षण को आनंददायक बनाया जा सकता है। यह कार्यशाला इसी उद्देश्य को पूर्ति के लिए रखी गई है, ताकि विद्यार्थी आनंदपूर्ण वातावरण में शिक्षा प्राप्त कर सकें। सभी विषयों को रोचक बनाएं, जिससे छात्र रूचि के साथ पढ़ सकें। इस कार्यशाला में 40 कला शिक्षक भाग ले रहे हैं, जो केंद्रीय विद्यालय संगठन भोपाल, लखनऊ, जबलपुर, वाराणसीए तथा आगरा संभाग के हैं। कार्यशाला में सहनिदेशक शाजिला पी, मनीष कुमार, यशोधन वजे उपस्थित रहे।

हर बच्चे के लिए अलग-अलग शिक्षण विधि का प्रयोग हो

ग्वालियर @ पत्रिका. शिक्षकों को हर बच्चे के लिए अलग-अलग शिक्षण विधि का प्रयोग करना चाहिए। यह बात केंद्रीय विद्यालय संगठन, आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक व उपायुक्त डॉ.अनुराग यादव ने तीन दिवसीय लर्निंग फॉर ऑल इक्विटेबल एंड इनक्लूसिव एजुकेशन विषय पर हुई कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कक्षा के बच्चों के कौशल में विविधता होती है, सभी बच्चों के सीखने की क्षमता अलग-अलग होती है। हमें बच्चों की कमियों पर नहीं स्ट्रेंथ पर फोकस करना चाहिए। 13 से 15 दिसंबर तक होने वाली इस कार्यशाला मे समावेशी शिक्षा के मार्ग की बाधाओं और उसके निवारण के उपायों पर परिचर्चा की जाएगी। इस कार्यशाला में भोपाल, आगरा, वाराणसी, जबलपुर एवं लखनऊ संभाग के 40 शिक्षक भाग ले रहे हैं। इस कार्यशाला के सहनिदेशक जेपी सिंह एवं संसाधक देवेंद्र सिंह परमार हैं। समन्वयक यशोधन वजे हैं।

21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला रही डिजिटल लाइब्रेरी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

ग्वालियर. केंद्रीय विद्यालय संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में 21 दिवसीय सेवाकालीन प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ विगत दिवस उपायुक्त व निदेशक डॉ. अनुराग यादव ने किया। यह शिविर लाइब्रेरियन के लिए है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 के बाद पुस्तकालय के स्वरूप में व्यापक परिवर्तन आया है। इसकी पहुंच विद्यार्थी से लेकर आमजन तक बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। डिजिटल लाइब्रेरी का विचार शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाएगा, जो समग्र दुनिया को पुस्तकालय में समाहित कर देगा।

कई शहरों के तीस लाइब्रेरियन ले रहे भाग

कार्यशाला में 30 लाइब्रेरियन भाग ले रहे हैं, जो केंद्रीय विद्यालय संगठन भोपाल, लखनऊ, जबलपुर, वाराणसी तथा आगरा संभाग से हैं। इस कार्यशाला की सहनिदेशक टी उमा महेश्वरी हैं। यह शिविर 9 फरवरी तक आयोजित होगा।

अब टीचिंग नहीं, लर्निंग की बात होगी

ग्वालियर @ पत्रिका. केंद्रीय विद्यालय संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। इसका विषय '21वीं स्किल विथ स्पेशल फोकस ऑन कम्युनिकेशन स्किल्स' रखा गयौ। उपायुक्त डॉ. अनुराग यादव ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत अब टीचिंग की नहीं लर्निंग की बात होगी। कार्यशाला में भोपाल, आगरा, वाराणसी, जबलपुर एवं लखनऊ संभाग के 40 शिक्षक शामिल हैं। कार्यशाला की सह निदेशक टी उमा महेश्वरी, संसाधक शिरीन कुरैशी, दिव्या भसीन हैं।

नई शिक्षा नीति में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर

ग्वालियर @ पत्रिका. नई शिक्षा नीति शिक्षक से यह अपेक्षा नहीं करती कि वह पाठ्यक्रम पूर्ण करें, बल्कि यह अपेक्षा करती है कि वह बालक का सर्वांगीण विकास कर उसके व्यक्तित्व को बहुआयामी बनाएं। यह बात केंद्रीय विद्यालय संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक व उपायुक्त डॉ अनुराग यादव ने कार्यशाला में कहीं। इस कार्यशाला में भोपाल, आगरा, वाराणसी एवं लखनऊ संभाग के 40 वाइस प्रिंसिपल भाग ले रहे हैं। इस कार्यशाला की सहनिदेशक टी उमा महेश्वरी एवं समन्वयक जेपी सिंह उपस्थित रहे।

बच्चों को सिखाने के लिए रंगमंच बेहतर माध्यम, इसका करें प्रयोग

सिटी रिपोर्टर | प्राकृतिक रूप से हर बालक में सीखने की प्रवृत्ति होती है। आवश्यकता इस बात की है कि उसके सीखने की इस प्रवृत्ति को रंगमंच का भी उपयोग करना चाहिए। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए इससे जुड़ी रचनात्मक गतिविधियां कराना चाहिए। यह बात केंद्रीय विद्यालय संगठन, आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक डॉ.अनुराग यादव ने 'शिक्षा में रंगमंच' विषय पर आयोजित कार्यशाला के शुभारंभ पर में कहीं। इस कार्यशाला में जबलपुर, भोपाल, आगरा, वाराणसी एवं लखनऊ संभाग के 40 प्राथमिक शिक्षक भाग ले रहे हैं।

नवीन शिक्षण विधिओं का प्रयोग करें शिक्षक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

ग्वालियर. केंद्रीय विद्यालय संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में 10 दिवसीय सेवाकालीन प्रशिक्षण शिविर शुक्रवार से शुरू हुआ। शिविर का उद्घाटन उपायुक्त डॉ. अनुराग यादव ने किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक नवीन शिक्षण प्रविधिओं का प्रयोग करें। कक्षा में विभिन्न शिक्षण गतिविधियों का प्रयोग कर जीवंतता लाएं। इस शिविर में भोपाल, आगरा, वाराणसी, जबलपुर, रायपुर, चंडीगढ़, हैदराबाद, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, गुरुग्राम, अहमदाबाद, गुवाहाटी संभाग के शिक्षक भाग ले रहे हैं।

आर्ट इंटीग्रेटेड एंड एक्सपेरिमेंटल लर्निंग इन सोशल साइंस कार्यशाला का शुभारंभ

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

ग्वालियर. केंद्रीय विद्यालय संगठन, आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान ग्वालियर में कला एवं सामाजिक विज्ञान शिक्षकों की संयुक्त तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ केंद्रीय विद्यालय संगठन के उपायुक्त एवं निदेशक डॉ.अनुराग यादव ने किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने उद्बोधन में कला के माध्यम से सामाजिक विज्ञान के प्रभावी शिक्षण पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कला के माध्यम से इस विषय को अधिक रुचिकर एवं हृदय ग्राही बनाया जा सकता है। यह कार्यशाला नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप विभिन्न विषयों को आपस में जोड़कर समग्र ज्ञान पर आधारित है। कार्यशाला में आगरा, भोपाल, वाराणसी, जबलपुर एवं लखनऊ के 40 शिक्षक भाग ले रहे हैं। इस मौके पर डॉ.एन.अंबिकापति, जोसेफ केए, रविंद्र कुमार पांडे, अविनाश कौर आदि मौजूद रहे।

event city

रंगमंच शिक्षण अधिगम की एक महत्वपूर्ण विधा

पत्रिका plus रिपोर्टर

ग्वालियर. प्राकृतिक रूप से हर बालक में सीखने की प्रवृत्ति होती है। आवश्यकता इस बात की है कि उसके सीखने की इस प्रवृत्ति को किस प्रकार रचनात्मक एवं बहुआयामी बनाया जाए। रंगमंच प्राचीन काल से ही शिक्षण का एक सशक्त माध्यम रहा है एवं नई शिक्षा नीति 2020 भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विविध रचनात्मक गतिविधियों का समर्थन करती है। यह बात केंद्रीय विद्यालय संगठन, आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक व उपायुक्त डॉ.अनुराग यादव ने तीन दिवसीय शिक्षा में रंगमंच विषय पर हुई कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर अपने उद्बोधन में कही। 15 से 17 नवंबर तक हो रही इस कार्यशाला में जबलपुर, भोपाल, आगरा, वाराणसी एवं लखनऊ संभाग के 40 प्राथमिक शिक्षक भाग ले रहे हैं। कार्यशाला के सहनिदेशक यशोधन बझे एवं समन्वयक जेपी सिंह हैं, वहीं संसाधक देवेंद्र सिंह परमार एवं अरुणेश वैश्य हैं।

vivo S1 Pro

कला को विज्ञान के साथ समन्वित कर बच्चों को पढाएं शिक्षक

पत्रिका plus रिपोर्टर

ग्वालियर. नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विभिन्न विषयों को समन्वित कर कक्षा शिक्षण को बहु आयामी बनाने पर जोर दिया गया है। शिक्षक उसी अनुसार अपनी पाठ्य योजना एवं आकलन की विधियां अपनाएं, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके तथा बदलते समय के अनुसार उनमें कौशल को विकसित किया जा सके। यह बात केन्द्रीय विद्यालय संगठन के निदेशक डॉ. अनुराग यादव ने आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में 'विज्ञ बहु विषयक एवं सहयोग अधिगम रणनीतियां' विषय आयोजित तीन दिवसीय कार्य में कही। कार्यक्रम में के विद्यालय संगठन के पांच संभा 40 विज्ञान शिक्षक शामिल हो इस अवसर पर कार्यशाला के निदेशक शाजिला पी तथा सम एवं कार्यशाला के समन्वयक जयकिशन केसवानी एवं विजय पाल उपस्थित रहे।

'पढ़ाई में टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ा इसलिए शिक्षक खुद को करें तैयार'

केवीएस की वर्कशॉप

सिटी रिपोर्टर | कोविड-19 के बाद शिक्षा जगत में बहुत तेजी से परिवर्तन हो रहे हैं। सबसे ज्यादा टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ गया है। इसलिए शिक्षकों को आज के समय के मुताबिक खुद को अपडेट होने की आवश्यकता है। इसलिए जितना ज्यादा हो सके नवीन तकनीक से जुड़ना चाहिए। इससे शिक्षकों की कोर स्किल बढ़ेगी। जिससे वह शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कर पाएंगे। यह बात केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के निदेशक और उपायुक्त डॉ. अनुराग यादव ने कही। वह ब्रिटिश काउंसिल द्वारा गुरुवार से शुरू हुई तीन दिवसीय वर्कशॉप के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षक तकनीक में दक्ष होंगे तभी छात्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंच सकेगी। वर्कशॉप में नवोदय विद्यालय के 15, केंद्रीय विद्यालय के 18 एवं सीबीएसई से जुड़े 6 स्कूल के शिक्षक शामिल हुए। इस वर्कशॉप में कुल 50 शिक्षक शामिल हुए। इस अवसर पर कार्यशाला के संयोजक जय किशन केसवानी, संसाधक सुमन चावला, चांद दीप मारवा एवं मैनेजर पीनल राणा उपस्थित रहे। यह वर्कशॉप 29 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी।

▪ तीन दिवसीय वर्कशॉप में शामिल शिक्षक एक-दूसरे को अपना परिचय देते हुए।

संगीत संध्या में केवीएस के शिक्षकों ने दी गायन और वादन की प्रस्तुति

ग्वालियर | देशभर के केंद्रीय विद्यालयों के 45 संगीत शिक्षक, इनमें कुछ ने मंच संभाल रखा था और कुछ दर्शक दीर्घा में बैठे थे। अवसर था केंद्रीय विद्यालय संगठन के आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान ग्वालियर में संगीत संध्या का। इसमें शिक्षकों ने गायन और वादन की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरुआत प्रेम नारायण ने तबले एवं डॉ. विजय कुमार ने बांसुरी वादन से की। इसके बाद सोनिया वर्मा ने 'मोहे पनघट पे नंदलाल छेड़ गयो... और घर मोरे परदेसिया... पर नृत्य प्रस्तुत किया। आदित्य यादव ने 'तेरा जैसा यार कहां... गीत पेश किया। डॉ. रामगोपाल त्रिपाठी ने 'ए हुस्न ए बेपरवाह...,कल्याण समूह ने शहीद जंग में होते हैं... कव्वाली पेश की। इसी क्रम में डॉ.अंजनी मिश्र एवं श्वेता सिंह ने 'फिर सावन... की युगल प्रस्तुति दी। समारोह में मुख्य अतिथि केवीएस जीट ग्वालियर के उपायुक्त डॉ. अनुराग यादव मौजूद रहे। इस अवसर पर मनीषा तिवारी, कंचन रानी आदि ने भी प्रस्तुति दी।

शिक्षकों को नवीन शिक्षा नीति के तहत निरंतर दिया जाना चाहिए प्रशिक्षण

सिटी रिपोर्टर | केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में सोमवार से 3 दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक डॉ. अनुराग यादव ने कहा कि शिक्षकों को नवीन प्रशिक्षण तकनीक एवं नई शिक्षा नीति के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। इसकी वजह है कि यह नीति तभी सफल होगी, जब सभी शिक्षक ट्रेंड होंगे। इस अवसर पर हिंदी और संस्कृत के निदेशक उपस्थित रहे।

मोहे पनघट पे नंदलाल छेड़ गयो...

पत्रिका plus रिपोर्टर

ग्वालियर. केंद्रीय विद्यालय संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान ग्वालियर में देशभर के केंद्रीय विद्यालयों से आए 45 संगीत शिक्षकों का 21 दिवसीय सेवाकालीन प्रशिक्षण शिविर के तहत सांस्कृतिक संध्या हुई। इस समारोह के मुख्य अतिथि डॉ अनुराग यादव, उपायुक्त, केंद्रीय विद्यालय संगठन उपस्थित रहे। मां सरस्वती की आराधना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सबसे पहले प्रेम नारायण ने तबले एवं डॉ विजय कुमार ने बांसुरी पर शानदार प्रस्तुति दी तत्पश्चात सोनिया वर्मा ने मोहे पनघट पे नंदलाल छेड़ गयो" तथा 'घर मोरे परदेसिया' पर नृत्य प्रस्तुत किया । आदित्य यादव द्वारा 'तेरा जैसा यार कहां तेरा जैसा याराना' गीत पर शानदार प्रस्तुति दी। डॉ. रामगोपाल त्रिपाठी ने 'ए हुस्न ए बेपस्वाह तुझे शबनम कहूं' गजल प्रस्तुत की। कल्याण समूह द्वारा कव्वाली प्रस्तुत की गई, जिसके बोल थे 'शहीद जंग में होते हैं वतन के लिए'। डॉ. अंजनी कुमार मिश्र एवं श्वेता सिंह ने, 'फिर सावन ऋतु की पवन चली लेकर हसीन शाम तेरी याद आ गई' ग़ज़ल को प्रस्तुत किया।

जीट में प्रशिक्षण शिविर

शिक्षा के नवीन परिवर्तन के लिए उपयोगी है प्रशिक्षण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

ग्वालियर. केंद्रीय विद्यालय संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (जीट) में शनिवार से 12 दिवसीय सेवाकालीन प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ हुआ। इसमें देशभर से पीजीटी हिंदी, टीजीटी हिंदी एवं टीजीटी संस्कृत शिक्षक भाग ले रहे हैं। मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त डॉ अनुराग यादव उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवीन परिवर्तनों एवं नई शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षकों को तैयार करने के लिए यह प्रशिक्षण उपयोगी है।

जीट में संगीत शिक्षकों के प्रशिक्षण शिविर का समापन

पत्रिका plus रिपोर्टर

ग्वालियर. केंद्रीय विद्यालय संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में देशभर के केंद्रीय विद्यालयों से आए 45 संगीत शिक्षकों के 21 दिवसीय सेवाकालीन प्रशिक्षण शिविर का बुधवार को समापन हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ.अनुराग यादव, उपायुक्त, केंद्रीय विद्यालय संगठन, जीट थे। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देते हुए संगीत शिक्षकों से आव्हान किया कि वे यहां से प्राप्त ज्ञान का संचार अपने विद्यालय के विद्यार्थियों में करें।

में जुट जाना चाहिए। ' हैं, वे सेकंड सेशन का तयारी म ह।

event city

खेल-खेल में बच्चों को अध्यापन कराना सीख रहे केवी के शिक्षक

पत्रिका plus रिपोर्टर

ग्वालियर. केन्द्रीय विद्यालय संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में केंद्रीय विद्यालय संगठन के प्राथमिक शिक्षकों एवं हेड मास्टरों की पांच दिवसीय अध्यापन कार्यशाला की शुरुआत सोमवार को हुई। शुभारंभ केंद्रीय विद्यालय संगठन के उपायुक्त डॉ अनुराग यादव ने किया। इस कार्यशाला में आगरा, भोपाल, लखनऊ, वाराणसी एवं जबलपुर संभाग के 30 प्राथमिक शिक्षक एवं हेड मास्टर भाग ले रहे हैं। कार्यशाला के दौरान शिक्षकों को बताया जाएगा कि प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ाई को रुचिकर बनाने के लिए खिलौनों का प्रयोग कैसे करें। इस विषय पर चिंतन मनन एवं क्रियाकलाप किए जाएंगे। डॉ अनुराग यादव ने कहा कि प्राथमिक कक्षाओं में बच्चों के आधार को मजबूत करने के लिए नई शिक्षा नीति 2020 में खिलौना आधारित अध्यापन एक नई संकल्पना है, जिसके माध्यम से बच्चे आनंद के साथ खेल-खेल में अध्यापन कर पाएंगे एवं कक्षाओं को और अधिक रुचिकर बनाया जा सकेगा।

event

लायंस

पत्रिका plus

ग्वालियर. लायंस सेंट्रल के नवीन व प्रथम बोर्ड मीटिंग के रूप में मुंबई से डायरेक्टर राजू मनव अतिथि के रूप में पूर्व गंगवाल एवं जोन सप्रा उपस्थित रहे। कहा कि दृष्टिहीन स्टिक लगभग एक जाएंगी। यह वितर

गांवों में

पत्रिका plus

ग्वालियर. रोटरी रीगल का पदस्थ ग्रहण समारोह हुआ में डिस्ट्रिक्ट गव शपथ अधिकारी ड एवं विशिष्ट अ प्रांतपाल शशिकांत रहे। कार्यक्रम में अध्यक्ष हेमंत जै राजकुमार यादव साथ शपथ ली। पू

vivo Z1 Pro
48MP AI Quad Camera
2022.07.12 09:40

city आबटीएम यूनिवर्सिटी में प्लाटेशन

देशभर से आए शिक्षकों ने कैंपस में रोपे पौधे

ग्वालियर@पत्रिका. केंद्रीय विद्यालय संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में गुरुवार को पौधरोपण कार्यक्रम हुआ। यह कार्यक्रम उपायुक्त डॉ अनुराग यादव के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर पीजीटी हिंदी, टीजीटी हिंदी एवं टीजीटी संस्कृत के अध्यापक उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि संस्थान की 2 बीघा जमीन में गार्डन विकसित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के लिए आए शिक्षकों ने गुलमोहर एवं अशोक के पौधे लगाए।

शिक्षक प्रशिक्षण शिविर

वोकेशनल एजुकेशन के तहत होने वाली गतिविधियां सीखेंगे शिक्षक

पत्रिका plus रिपोर्टर

ग्वालियर. केंद्रीय विद्यालय संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में 21 दिवसीय सेवाकालीन प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत सोमवार को केंद्रीय विद्यालय संगठन के उपायुक्त व निदेशक डॉ. अनुराग यादव ने किया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 वोकेशनल एजुकेशन पर जोर देती है, जिसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी शिक्षकों के पास है। पांच मार्च तक चलने वाले इस शिविर में वोकेशनल एजुकेशन के तहत की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया जाएगा। इस कार्यशाला में 41 वर्क एक्सपीरियंस टीचर भाग ले रहे हैं, जो केंद्रीय विद्यालय संगठन भोपाल, लखनऊ, जबलपुर, वाराणसी, जयपुर तथा आगरा संभाग के हैं।

संगीत संध्या में केवीएस के शिक्षकों ने दी गायन और वादन की प्रस्तुति

ग्वालियर | देशभर के केंद्रीय विद्यालयों के 45 संगीत शिक्षक, इनमें कुछ ने मंच संभाल रखा था और कुछ दर्शक दीर्घा में बैठे थे। अवसर था केंद्रीय विद्यालय संगठन के आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान ग्वालियर में संगीत संध्या का। इसमें शिक्षकों ने गायन और वादन की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरुआत प्रेम नारायण ने तबले एवं डॉ. विजय कुमार ने बांसुरी वादन से की। इसके बाद सोनिया वर्मा ने 'मोहे पनघट पे नंदलाल छेड़ गयो... और घर मोरे परदेसिया... पर नृत्य प्रस्तुत किया। आदित्य यादव ने 'तेरा जैसा यार कहां... गीत पेश किया। डॉ. रामगोपाल त्रिपाठी ने 'ए हुस्न ए बेपरवाह...,कल्याण समूह ने शहीद जंग में होते हैं... कव्वाली पेश की। इसी क्रम में डॉ.अंजनी मिश्र एवं श्वेता सिंह ने 'फिर सावन... की युगल प्रस्तुति दी। समारोह में मुख्य अतिथि केवीएस जीट ग्वालियर के उपायुक्त डॉ. अनुराग यादव मौजूद रहे। इस अवसर पर मनीषा तिवारी, कंचन रानी आदि ने भी प्रस्तुति दी।

पत्रिका plus
gwalior.saturday 28/05/2022 patrika.com/entertainment

city pride 37 लाख से संवर रहा कैंपस, सामूहिक प्रयास से भी हो रहे काम

केवीएस में बन रहा वाकिंग ट्रैक, आर्ट गैलरी और गार्डन, 40 फीट ऊंचा लहराएगा तिरंगा

पत्रिका plus रिपोर्टर

ग्वालियर. केंद्रीय विद्यालय संगठन का कैंपस 37 लाख की लागत से संवरेगा। इसकी शुरुआत हो चुकी है। यहां वाकिंग ट्रैक, गार्डन, आर्ट गैलरी, ओपन जिम बनाई जा रही हैं। साथ ही 40 फीट ऊंचा तिरंगा लगाए जाने का भी प्लान है। पहाड़ी के ऊपर कैंपस होने के चलते यह तिरंगा दूर से नजर आएगा। परिसर में कुछ काम सामूहिक प्रयास से भी किए जा रहे हैं। इसका फायदा कैंपस में ट्रेनिंग के लिए आने वाले प्रतिभागियों को मिलेगा, जो 21 दिन यहां रहकर ट्रेनिंग लेते हैं। यह कैंपस 18 एकड़ में फैला हुआ है। यह देश का सबसे बड़ा और पहला परिसर है।

यहां से ट्रेनिंग लेकर शिक्षक हो जाते हैं प्रमोट

कैंपस में हर साल 12 से अधिक ट्रेनिंग होती है। एक ट्रेनिंग की अवधि 21 दिन होती है। इसमें देशभर से केंद्रीय विद्यालय के शिक्षक ट्रेनिंग लेने आते हैं। दरअसल इस ट्रेनिंग के बाद ही शिक्षकों का प्रमोशन होता है। देशभर में कुल पांच ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट हैं, जो ग्वालियर के अलावा मैसूर, मुंबई, भुवनेश्वर, चंडीगढ़ में स्थापित हैं। यहां शिक्षकों के अलावा, प्रिंसिपल्स, वाइस प्रिंसिपल और ऑफिसर की ट्रेनिंग भी होती है।

ये हो रहा डवलपमेंट

वॉकिंग ट्रैक : कैंपस में 410 मीटर का ट्रैक तैयार हो रहा है, जिसकी चौड़ाई लगभग 4 फीट है। इसके बीच गार्डन डवलप होगा, जिसमें प्लांट भी लगाए जाएंगे।

आर्ट गैलरी : गैलरी में इंडिया का मैप तैयार किया गया है। स्वामी विवेकानंद की मूर्ति सहित 13 स्टेट की कलाकृतियां लगाई गई हैं। यहां एक वॉल बनाई जा रही है, जो सेल्फी पॉइंट के रूप में डवलप होगी।

ओपन जिम : शिक्षकों को फिट रखने के उद्देश्य से ओपन जिम बनाई जाएगी। इसमें 12 से 15 एक्सरसाइज मशीन रखी जाएंगी। ट्रेनिंग के दौरान पार्टिसिपेंट्स को जिम करना अनिवार्य होगा।

सेल्फी पॉइंट : कैंपस के एंट्री गेट पर सेल्फी पॉइंट बनाया जा रहा है। यहां टेबल चेयर भी रखी जाएगी, जहां लोग बैठ सकेंगे।

प्ले ग्राउंड : परिसर में वॉलीबॉल ग्राउंड, बैडमिंटन ग्राउंड, खो-खो और बास्केट बॉल ग्राउंड बने हैं, जिनकी हालत ठीक नहीं थी। अब सामूहिक प्रयास से इसे ठीक किया जा रहा है। यह एक बार फिर पुराने स्वरूप में लौटेगा।

पार्किंग एरिया : परिसर में पार्किंग एरिया डवलप किया जा रहा है। साथ ही पेड़ों से गिरने वाली पत्तियों और बचे खाने के लिए एक प्लांट तैयार किया गया है, जहां से खाद बनाई जाएगी।

हेडक्वार्टर से 37 लाख रुपए सेक्शन हुए हैं। हम बाउंड्री वॉल और पार्किंग पर काम करा रहे हैं। इसके अलावा वॉकिंग ट्रैक, आर्ट गैलरी, ओपन जिम, सेल्फी पॉइंट, प्ले ग्राउंड डवलप किया जा रहा है। इसका लाभ ट्रेनिंग में आने वाले केंद्रीय विद्यालयों के शिक्षकों को मिलेगा।

डॉ. अनुराग यादव, डिप्टी कमिश्नर, केवीएस

पौधरोपण के साथ हुई गजल प्रस्तुतियां

पत्रिका plus रिपोर्टर

ग्वालियर. केंद्रीय विद्यालय संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में देशभर के केंद्रीय विद्यालय से आए संगीत शिक्षकों ने संस्थान के निदेशक डॉ.अनुराग यादव के नेतृत्व में पौधरोपण किया। शाम को गजल संध्या में संगीत शिक्षकों ने एक से बढकर एक गजल प्रस्तुतियां दीं। जिसमें केंद्रीय विद्यालय चंडीगढ़ के मंगलेश कुमार ने जिक्र-ए-उल्फत जब चला एक हादसा याद आ गया..., इंद्रजीत कौर केंद्रीय विद्यालय जालंधर ने कभी कहा ना किसी से तेरे फसाने को न जाने कैसे खबर हो गई जमाने को..., सोमनाथ केंद्रीय विद्यालय पठानकोट ने सूफी गीत तुझे तकय्या तो लगा मुझे ऐसे जैसे मेरी ईद हो गई... राम गोपाल त्रिपाठी एवं मनीषा तिवारी ने गम का खजाना तेरा भी है मेरा भी है..., सूरज कुमार केंद्रीय विद्यालय भिंड ने हंगामा क्यों है बरपा थोड़ी सी जो पी ली है...की प्रस्तुति दी।

शिक्षकों को नवीन शिक्षा नीति के तहत निरंतर दिया जाना चाहिए प्रशिक्षण

सिटी रिपोर्टर |केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में सोमवार से 3 दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक डॉ. अनुराग यादव ने कहा कि शिक्षकों को नवीन प्रशिक्षण तकनीक एवं नई शिक्षा नीति के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। इसकी वजह है कि यह नीति तभी सफल होगी, जब सभी शिक्षक ट्रेंड होंगे। इस अवसर पर हिंदी और संस्कृत के निदेशक उपस्थित रहे।

नई शिक्षा नीति के अनुरूप अपने आपको तैयार करें

पत्रिका plus रिपोर्टर

ग्वालियर. केंद्रीय विद्यालय संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम की शुरुआत ऑनलाइन मोड में सोमवार को हुई। शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ अनुराग यादव ने किया। उन्होंने शिक्षकों के नवीन प्रशिक्षण तकनीक एवं नई शिक्षा नीति के अनुरूप प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। यह अभिविन्यास कार्यक्रम पीजीटी (हिंदी) टीजीटी (हिंदी) एवं टीजीटी (संस्कृत) के संसाधक एवं सह निदेशकों के लिए आयोजित किया जा रहा है।

जीट में तीन दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम शुरू

ग्वालियर। केंद्रीय विद्यालय संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (जीट) में 23 से 25 मई तक तीन दिवसीय आनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डा. अनुराग यादव ने किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में शिक्षकों के नवीन प्रशिक्षण तकनीक एवं नई शिक्षा नीति के अनुरूप प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षक समय के हिसाब से विद्यार्थियों के भविष्य को गढ़ें। -ना

event city प्रशिक्षण कार्यक्रम

स्पोर्ट्स शिक्षक भी अपनी खेल पद्धति में बदलाव लाएं

पत्रिका plus रिपोर्टर

ग्वालियर. केन्द्रीय विद्यालय संगठन के खेल शिक्षकों के लिए 21 दिवसीय प्रशिक्षण एलएनआइपीई में शुरू हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 10 संभागों से 80 शिक्षक भाग ले रहे हैं। दीप प्रज्वलन केंद्रीय विद्यालय संगठन के आंचलिक शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान के उपायुक्त एवं निदेशक डॉ. अनुराग यादव तथा एलएनआइपीई के कार्यवाहक कुलपति डॉ. विवेक पांडे उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त डॉ. अनुराग यादव ने कहा कि नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुसार खेल शिक्षक भी अपनी शिक्षण पद्धति में बदलाव लाएं और बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करें। इस प्रशिक्षण में शिक्षकों को खेल शिक्षण की नीतियों, खेल कौशल का मूल्यांकन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में बच्चों के समग्र विकास हेतु खेलों का प्रशिक्षण एवं खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन एवं प्रबंधन संबंधी जानकारी दी जाएगी। एलएनआइपीई से विस्तार सेवाओं के निदेशक डॉ. बी झाझरिया तथा केंद्रीय विद्यालय संगठन से जयकिशन केसवानी समन्वयक का कार्य करेंगे।

21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला रही डिजिटल लाइब्रेरी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

ग्वालियर. केंद्रीय विद्यालय संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में 21 दिवसीय सेवाकालीन प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ विगत दिवस उपायुक्त व निदेशक डॉ. अनुराग यादव ने किया। यह शिविर लाइब्रेरियन के लिए है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 के बाद पुस्तकालय के स्वरूप में व्यापक परिवर्तन आया है। इसकी पहुंच विद्यार्थी से लेकर आमजन तक बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। डिजिटल लाइब्रेरी का विचार शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाएगा, जो समग्र दुनिया को पुस्तकालय में समाहित कर देगा।

कई शहरों के तीस लाइब्रेरियन ले रहे भाग

कार्यशाला में 30 लाइब्रेरियन भाग ले रहे हैं, जो केंद्रीय विद्यालय संगठन भोपाल, लखनऊ, जबलपुर, वाराणसी तथा आगरा संभाग से हैं। इस कार्यशाला की सहनिदेशक टी उमा महेश्वरी हैं। यह शिविर 9 फरवरी तक आयोजित होगा।

सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

शिक्षकों ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए नए टॉपिक समझे

ग्वालियर. केंद्रीय विद्यालय संगठन आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में सेवाकालीन प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों ने झोपड़ी का निर्माण किया। समापन अवसर पर केंद्रीय विद्यालय संगठन के उपायुक्त व निदेशक डॉ. अनुराग यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप कई राज्यों से आए शिक्षकों को फायर सेफ्टी, डिजास्टर मैनेजमेंट, मेंटल हेल्थ, जेंडर सेंसिटाइजेशन, अडोलेंस एजुकेशन, स्कूल सेफ्टी एंड सिक्योरिटी आदि विषयों पर जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि आपने यहां से जो सीखा है, वे विद्यालयों के बच्चों को सिखाएं, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। शिक्षकों ने झोपड़ी प्रोजेक्ट वर्क शिविर के दौरान पूरा किया। इस दौरान सभी शिक्षकों को सर्टिफिकेट दिए गए।

41 शिक्षकों को मिला प्रशिक्षण : परिसर में आयोजित 21 दिन की कार्यशाला में 41 वर्क एक्सपीरियंस टीचर्स ने भाग लिया, जो केंद्रीय विद्यालय संगठन भोपाल, लखनऊ, जबलपुर, वाराणसी, जयपुर तथा आगरा संभाग से हैं। उल्लेखनीय है कि इन शिक्षकों की सेवा के 12 एवं 24 वर्ष पूर्ण होने के बाद मिलने वाली पदोन्नति के लिए 6 वर्ष में एक बार सेवाकालीन प्रशिक्षण शिविर में सहभागिता अनिवार्य होती हैं।

न्यूज बीफ

केंद्रीय विद्यालय के शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण, झोपड़ी भी बनाई

सिटी रिपोर्टर • ग्वालियर | केंद्रीय विद्यालय संगठन की ओर से आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में सेवाकालीन प्रशिक्षण शिविर का समापन सोमवार को हुआ। इसमें केवीएस के उपायुक्त व निदेशक डॉ.अनुराग यादव ने नई शिक्षा नीति के अनुरूप सभी प्रतिभागियों को सारगर्भित जानकारी दी। इन शिक्षकों को झोपड़ी निर्माण का प्रोजेक्ट दिया गया। साथ ही सभी शिक्षकों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।